महत्वपूर्ण एवं खास

महामाया मंदिर में दारू-मुर्गा पार्टी करने वाले 2 गिरफ्तार

रतनपुर (आरएनएस)। छत्तीसगढ़ के रतनपुर स्थित महामाया देवी मंदिर परिसर में युवकों ने शराब और दारू-मुर्गा पार्टी का आयोजन किया था। यानी धार्मिक जगह को अपवित्र बना दिया था, इतना ही नहीं इन लोगों ने जूठे पत्तल और हड्डियों को मंदिर के पास ही फेंक दिया था। इस मामले में सिद्ध शक्तिपीठ देवी मंदिर ट्रस्ट ने चि_ी लिखकर शिकायत दर्ज की थी। जिसके बाद पप्पू खटीक और बाबा खटीक को गिरफ्तार कर लिया गया है। इस दोनों पर धारा 151 के तहत कार्रवाई शुरु कर दी है। बता दें, कंठीदेवल मंदिर परिसर पर बकरे की हड्डी और झूठे पत्तल मिले थे। कुछ लोग महामाया देवी के दर्शन करने और पिकनिक मनाने पहुंचे थे। जिसके बाद वीवीआईपी पार्किंग के पास भोजन बनाने लगे। इस दौरान किसी ने उनकी गतिविधियों पर ध्यान नहीं दिया। इसके बाद पता चला कि, बदमाश वहां बैठकर शराब और बकरा-मुर्गा पार्टी कर रहे है।

फांसी पर लटकती मिली बीएसएनएल अफसर की लाश

दुर्ग-रायपुर (आरएनएस)। बीएसएनएल रायपुर में पदस्थ छत्तीसगढ़ के इंचार्ज आफिसर की दुर्ग सर्किट हाउस के पास स्थित बीएसएनएल दफ्तर में फांसी से लटकती लाश मिलने के बाद से हडक़ंप मच गया है। मोहननगर थाना पुलिस ने मर्ग कायम कर मामला जांच में लिया है। सूत्रों ने बताया कि रायपुर के बीएसएनएल कार्यालय में पदस्थ छत्तीसगढ़ इंचार्ज सतीश साहू का शव दुर्ग बीएसएनएल कार्यालय में फांसी पर लटका मिला है। बताया जाता है कि वे रायपुर में पदस्थ थे, उनका निवास रिसाली भिलाई के छाया गार्डन के पास है। परिजनों के हवाले से सूत्रों ने बताया कि वे कल शाम से घर नहीं पहुंचे थे। इसके बाद उनके परिजनों ने थाने में उनकी गुमशुदगी की सूचना दी थी। परिजनों ने अपने स्तर पर उनकी काफी खोजबीन की, लेकिन देर रात तक उनका पता नहीं चल पाया था। इसके बाद परिजनों को पता चला कि साहू का बीएसएनएल कार्यालय दुर्ग में शव मिला है। मौके पर पहुंची पुलिस ने मर्ग कायम कर शव पीएम के लिए भेज दिया है। वहीं मामला जांच में लिया है। साहू ने यहां कैसे पहुंचे? उन्होंने आत्महत्या की है या मौत का कारण कुछ और है? पुलिस अभी कुछ भी कहने की स्थिति में नहीं है। बहरहाल पुलिस जांच में जुट गई है।

डेम में डूबे युवक का 24 घंटे बाद भी सुराग नहीं

रायगढ़ (आरएनएस)। जिले के लैलूंगा थाना क्षेत्र के ग्राम जमाबहार से मछली पकडऩे खम्हार पाकुट डेम गए दो दोस्तों की नाव तेज आंधी-तूफान में पलट गई। हादसे में एक युवक किसी तरह तैरकर बाहर निकल गया, वहीं दूसरे युवक का अभी तक कुछ पता नहीं चल पाया है। सूत्रों ने बताया कि ग्राम जमाबहार में रहने वाले संदीप लकड़ा और रोशन मिंज शनिवार की दोपहर खम्हार पाकुट डेम में मछली पकडऩे गए थे। बताया जाता है कि शनिवार की शाम आए तेज आंधी-तूफान के कारण उनका नाव डेम में पलट गया। हादसे में संदीप लकड़ा किसी तरह से तैरकर बाहर निकल आया, मगर रोशन मिंज का पता नहीं चल पाया। ग्रामीणों ने उसकी डेम में तथा आसपास काफी तलाश की, लेकिन घटना के करीब 48 घंटे बाद भी उसका पता नहीं चल पाया है। पुलिस भी इस मामले में गोताखोरों की मदद लेकर डेम में गुम रोशन मिंज की तलाश कर रही है।

कोदोपाली में जैविक खेती पर चर्चा

रायपुर (आरएनएस)। राजधानी रायपुर के समाज सेवियों ने डॉक्टर सत्यजीत साहू के नेतृत्व में कल गरियाबंद ज़िले के ग्राम कोदो पाली का दौरा किया। डॉक्टर साहू ने आज यहाँ बताया कि इस दौरान ग्राम कोदोपाली में तेईस आदिवासी गाँवों के प्रमुख लोगों और ग्रामीणों के साथ स्कूल परिसर में पेड़ों की छाँव में जैविक खेती पर बातचीत हुई। क्षेत्र के कृषि अधिकारी और जैविक कृषि के सामाजिक कार्यकर्ताओं ने बीज उपचार को लेकर ग्रामीणों को जागरूक किया और मिलेट कृषि को बढ़ावा देने के संदर्भ में भी उन्हें बहुत -सी बहुमूल्य जानकारी दी ।

मल्टीनेशनल कंपनियों को टक्कर दे रहा गौठानों में निर्मित पेंट

- रायपुर जिले में प्राकृतिक पेंट से हो रही सरकारी भवनो की पुताई
- दीवारों को गर्म होने बचाती है और तापमान भी नियंत्रित करती है प्राकृतिक पेंट

रायपुर (आरएनएस)। मुख्यमंत्रीं भूपेश बघेल की मंशा के अनुरूप गौठानों में गोबर से विभिन्न उत्पाद बनाए जा रहे हैं। इसी क्रम में प्राकृतिक पेंट एवं पुट्टी निर्माण की इकाईयां तेजी से स्थापित की जा रही हैं। जिससे आत्मनिर्भर गांव की कल्पना साकार हो रही हैं साथ ही गौठानों से गांव के लोगों को रोजगार के साथ ही उनकी तरक्की के लिए नए-नए अवसरों का निर्माण हो रहा है। जिले के जरवाय गौठान में डिस्टेंपर, इमल्शन पेंट के साथ ही पुट्टी का भी निर्माण हो रहा है।

बाजार में उपलब्ध रासायनिक पेंट लोगों के जेब के साथ साथ पर्यावरण और स्वास्थ्य पर भी असर डालती है। गोबर पेंट की उपयोगिता और गुणवत्ता को जन जन तक पहुंचने के लिए मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने सभी शासकीय विभाग, निगम, मंडल एवं स्थानीय निकायों में भवनों के रंग रोगन के लिए गोबर पेंट का उपयोग अनिवार्यत: करने के निर्देश दिए है। उनके निर्देश का पालन करते हुए रायपुर नगर निगम भवनों की पुताई भी प्राकृतिक पेंट से की गई है। इस पेंट की खास बात यह है की इसकी कीमत बाजार में उपलब्ध रासायनिक पेंट से कम है साथ ही गोबर से निर्मित होने के कारण रासायनिक पेंट की तुलना में इसमें महक भी नहीं की आती जिससे यह पर्यावरण और स्वास्थ्य के लिए अनुकूल है।

गुणवत्तापूर्ण और सस्ता है प्राकृतिक पेंट- यह पेंट भारत सरकार की संस्था राष्ट्रीय प्रशिक्षण शाला के द्वारा प्रमाणित भी किया गया है। साथ ही यह एन्टी बैक्टीरिया, एंटीफंगल, इको-फ्रेंडली, नॉन टॉक्सिक है। इस पेंट में हैवी मेटल्स का उपयोग नहीं किया गया है साथ ही गोबर से निर्मित होने की वजह से यह नेचुरल थर्मल इन्सुलेटर की तरह कार्य करता है। यह पेंट पर्यावरण के अनुकूल है साथ ही इसकी कीमत बाजार में उपलब्ध प्रीमियम क्वालिटी के पेंट की तुलना में 30 से 40 फीसदी कम है। यह बड़ी मल्टीनेशनल कम्पनियों के पेंट की तरह लगभग 4 हजार रंगों में भी उपलब्ध है।

रायपुर के जरवाय गौठान में तैयार किया जा रहा प्राकृतिक पेंट- रायपुर के जरवार गौठान में गोवर्धन स्व सहायता समूह की महिलाएं गोबर से प्राकृतिक पेंट बना रही हैं। यहां के गोबर से बने पेंट का उपयोग सबसे पहले रायपुर नगर निगम के भवन की पुताई के लिए किया गया था। सरकारी भवनों के अलावा आम लोगों के द्वारा भी यह पेंट पसंद किया जा रहा है। रायपुर के अलावा 0अन्य जिलों में भी स्थानीय लोगों ने इस पेंट का उपयोग किया है वहीं राजधानी में भी बहुत से लोग इस पेंट से अपने घरों की पुताई कर चुके है।

जरवाय गौठान की स्व सहायता समूह की अध्यक्ष धनेश्वरी रात्रे बताती है की उनके समूह में 22 महिलाएं काम करती है। कुछ नया करने की सोच से उन्होंने गोबर से पेंट बनाने का काम शुरू किया। गोबर से पेंट बनाने के लिए महिलाओं ने विधिवत प्रशिक्षण भी प्राप्त किया। पेंट बनाने की शुरुआत अप्रैल 2022 से हुई और अब तक गौठान में 25 हजार लीटर का निर्माण किया जा चुका है जिसमे से 20 हजार लीटर पेंट बेच चुकी है। जिससे लगभग 8 लाख का मुनाफा समूह को हुआ है। गोबर से निर्मित पेंट आधा लीटर, एक, चार, और दस लीटर के डिब्बों में उपलब्ध है।

ऐसे तैयार होता है गोबर से प्राकृतिक पेंट- प्राकृतिक पेंट बनाने के लिये गोबर को पहले मशीन में पानी के साथ अच्छे से मिलाया जाता है फिर इस मिले हुए घोल से गोबर के फाइबर और तरल को डी-वाटरिंग मशीन के मदद से अलग किया जाता है। इस तरल को 100 डिग्री तापमान में गरम करने से बने अर्क को पेंट के बेस की तरह इस्तेमाल किया जाता है। जिसके बाद इसे प्रोसेस कर पेंट तैयार होता है। गोबर से प्राकृतिक पेंट के निर्माण का मुख्य घटक कार्बोक्सी मिथाइल सेल्यूलोज (सीएमसी) होता है। सौ किलो गोबर से लगभग 10 किलो सूखा सीएमसी तैयार होता है। कुल निर्मित पेंट में 30 प्रतिशत मात्रा सीएमसी की होती है। गोवर्धन स्व-सहायता समूह की महिलाओं द्वारा निर्मित यह पेंट महिलाओं की आय का जरिया तो है ही साथ ही महिलाओं की अलग पहचान बना रहा है।

बाजार में मिलने वाले अधिकतर पेंट में ऐसे पदार्थ और हैवी मेटल्स मिले होते है जो हमारे स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाते हैं। वहीं गोबर से निर्मित पेंट प्राकृतिक पदार्थों से मिलकर बनता है इसलिए इसे प्राकृतिक पेंट भी कहते है। केमिकल युक्त पेंट की कीमत 350 रुपए प्रति लीटर से शुरू होती है पर गोबर से निर्मित प्राकृतिक पेंट की कीमत 150 रुपए से शुरू है। गोबर से बने होने के कारण इसे बहुत से फायदे भी है जैसे यह पेंट एंटीबैक्टीरियल, एंटीफंगल है साथ ही घर के दीवारों को गर्मी में गर्म होने से भी बचाती है और तापमान नियंत्रित करती है।

विद्युत टावर गिराने में कबाड़ चोरों की भूमिका आई सामने, कंपनी को पहुंचा 70 लाख का नुकसान

कोरबा (आरएनएस)। ग्राम मादन के पास तेज आंधी की वजह से गिरे 400 केवी लाइन क्षमता के तीन टावर को हटाने का काम शुरू कर दिया गया। तदुपरांत ट्रांसमिशन पारेषण कंपनी द्वारा नया टावर खड़ा किया जाएगा। कंपनी के कर्मी माह में एक बार पेट्रोलिंग कर टावर का निरीक्षण करते हैं, इसका फायदा कबाड़ चोरों ने उठाया और टावर के नीचे के एंगल काट कर ले गए।

पाली ब्लाक के ग्राम मादन के पास विद्युत ट्रांसमिशन कंपनी के उच्च दाब क्षमता लाइन का टावर गिराने में कबाड़ चोरों की भूमिका एक बार फिर सामने आ गई है। कंपनी को लगभग 70 लाख का नुकसान पहुंचा, वहां बिजली आपूर्ति भी अन्य लाइन डायवर्ट करना पड़ गया। इससे कंपनी को अतिरिक्त नुकसान झेलना पड़ रहा है। ट्रांसमिशन कंपनी से जुड़े जानकारों का कहना है कि टावर खड़ा होने के बाद निगरानी भी की जाती है, पर वर्तमान में कर्मियों की कमी वजह से माह में एक बार ही पेट्रोलिंग की जा रही है और इसका फायदा कबाड़ चोर उठा रहे हैं। टावर का एंगल काटने के पहले चोर लगातार रैकी करते हैं, ताकि उन्हें कंपनी के कर्मियों के पेट्रोलिंग करने की जानकारी मिलती रहती है। चूंकि एक बार निगरानी के बाद दोबारा एक माह में निगरानी करने टीम जाती है। इसका फायदा चोर उठाते हैं और एक माह के भीतर ही चोरी कर लेते हैं। ग्राम मादन के पास हुई घटना को भी इसी दृष्टि से देखा जा रहा है। कंपनी के कर्मियों द्वारा पुलिस में लिखित में भी शिकायत की जाती है, पर अभी तक कार्रवाई नहीं होने से चोरों के हौसले बढ़े हुए हैं। मादन में हुई चोरी की लिखित शिकायत कंपनी द्वारा पुलिस में की गई है। इसके साथ ही कंपनी के तकनीकी अमले ने टावर खोलने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। सावधानी पूर्वक पहले तार हटाया जाएगा, इसके बाद टावर खोल कर पुन: नए सिरे से टावर खड़ा किया जाएगा।

टावर से एंगल काट कर चोरी करना कोई पहली बार नहीं हुआ है। इसके पहले भी घटनाएं हो चुकी है। ग्राम छुरी के पास वंदना कंपनी के टावर का एंगल चोरों ने लिया था, इससे टावर झुक कर विद्युत ट्रांसमिशन कंपनी के टावर लाइन में झूल गया। घटना में 24 घंटे से अधिक वक्त तक अंबिकापुर संभाग में बिजली बंद रही थी। इसी तरह पाली ब्लाक क्षेत्र में ग्राम टेवर के पास टावर का एंगल चोरी किया गया था। इससे टावर गिर पड़ा था और बिजली आपूर्ति बंद हो गई थी। अंबिकापुर क्षेत्र में भी चोरों ने टावर को निशाना बनाया था, इससे टावर नीचे गिर गया था।

कार ने बाइक सवार को 20 मीटर तक रौंदा, आरोपी मौके से फरार

बिलासपुर (आरएनएस)। जिले के तखतपुर में सडक़ हादसा हुआ है. यहां लापरवाही पूर्वक एक कार चालक ने कार चलाते हुए बाइक सवार बुजुर्ग को रौंद दिया. इस हादसे में बुजुर्ग बुरी तरह घायल हो गया है।

वहीं कार चालक मौके से कार लेकर फरार हो गया है. यह मामला तखतपुर थाना क्षेत्र का है. इस हादसे का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है. जानकारी के अनुसार, तखतपुर थाना क्षेत्र के राष्ट्रीय राज्यमार्ग बिलासपुर - मुंगेली के जोरापारा गांव के पास सडक़ किनारे खड़ी कार को कार चालक लेकर मोडऩे की कोशिश करने लगा तभी बाइक वहां से गुजर रही बाइक की उससे टक्कर हो गई.

बाइक में दो लोग सवार थे, जिसमें से एक बुजुर्ग कार के नीचे आकर फंस गया. बुजुर्ग को बाइक सवार युवक ने कि बचाने की कोशिश भी की. मगर लापरवाह कार चालक रुका नहीं और बुजुर्ग को 20 मीटर तक घसीटकर ले गया और मौके से कार के साथ फरार हो गया. इस हादसे में बुजुर्ग बुरी तरह घायल है. जिसका इलाज अस्पताल में जारी है. इस मामले में पुलिस आरोपी की तलाश में जुट गई है. यह हादसा सीसीटीवी कैमरे में भी कैद हुआ है.

लोरमी तहसील के सामने अनियंत्रित माजदा पेड़ से टकराई : चालक गंभीर

बिलासपुर (आरएनएस)। लोरमी में एक तेज रफ्तार माजदा वाहन अनियंत्रित होकर एक पेड़ से जा टकराया। हादसा इतना जोरदार था कि माजदा चालक स्टेरिंग में ही फंस गया। ग्रामीणों व पुलिस ने किसी तरह उसे बाहर निकाला और अस्पताल ले जाकर भर्ती कराया है।

सूत्रों ने बताया कि हादसा लोरमी तहसील कायाृलय के सामने हुई है। डोंगरियां की ओर से आ रहा एक तेज रफ्तार माजदा वाहन अचानक अनियंत्रित होकर तहसील कार्यालय के सामने एक पेड़ से जा टकराया। वाहन की रफ्तार इतनी अधिक थी कि वाहन चालक क्षतिग्रस्त हुए केबिन में स्टेरिंग के बीच फंसा रह गया। आसपास के लोगों ने उसे निकालने का प्रयास किया, लेकिन असफल रहे। इसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने जेसीबी वाहन बुलवाकर क्षतिग्रस्त माजदा के केबिन को अलग कराया और इसके बाद वाहन चालक को बाहर निकाला जा सका। बताया जाता है कि हादसे में क्षीरपानी गांव का रहने वाला माजदा चालक धरमजीत साहू बुरी तरह से घायल हो गया है। प्राथमिक उपचार के बाद उसे लोरमी के शासकीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

वनरक्षक और वाहन चालक हेतु 11 जून तक ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित

सारंगढ़ बिलाईगढ़। छत्तीसगढ़ राज्य के वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के अधीन विभिन्न कार्यालयों और वन मंडलों में वनरक्षक के 1484 पद, भारी वाहन चालक, ट्रक चालक, ट्रेक्टर चालक के 77 पद और हल्का वाहन चालक के 67 रिक्त पदों पर सीधी भर्ती शुरू की है। इन सभी पदों की भर्ती में शामिल होने के लिए छत्तीसगढ़ राज्य के मूल निवायी एवं पात्र अभ्यर्थियों से 11 जून 2023 के रात्रि 11.59 बजे तक विभागीय वेबसाइट www.cgforest.com डब्ल्यू डब्ल्यू डब्ल्यू सीजीफॉरेस्ट डॉट कॉम पर ऑनलाइन आवेदन किए जा सकेंगे। इसी वेबसाइट में विस्तृत विज्ञापन, रिक्त पदों की जानकारी, भर्ती प्रक्रिया एवं अन्य जानकारी उपलब्ध है।

बस्तर और सरगुजा संभाग सहित कोरबा-कटघोरा वनमंडल की भर्ती निरस्त- छत्तीसगढ़ राज्य वन एवं परिवर्तन विभाग के अंतर्गत आने वाले विभिन्न कार्यालयों और वनमण्डलों में वनरक्षक के कुल 201 रिक्त पदों पर सीधी भर्ती का विज्ञापन जारी किया, जिसका प्रकाशन 03 दिसंबर 2021 के समाचार पत्रों में हुआ था। माननीय उच्च बिलासपुर में दायर याचिका 1081/ 2020 नंदकुमार गुप्ता एवं 140 अन्य विरुद्ध छ.ग. शासन एवं 02 अन्य तथा 06 याचिकाओं में पारित आदेश 12 मई 2022 द्वारा छत्तीसगढ़ शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के अधिसूचना 17 जनवरी 2012 एवं तत्सबंधी अधिसूचनाओं (जिसमें उदभूत रिक्तियों के लिए उक्त क्षेत्रों के संबंधित जिले के स्थानीय निवासी ही पात्र थे) को निरस्त किये जाने के फलस्वरूप बस्तर संभाग के अंतर्गत आने वाले वनमंडल या कार्यालय (बस्तर, दंतेवाड़ा, सुकमा, इन्द्रावती टाईगर रिजर्व, बीजापुर, पूर्व भानुप्रतापपुर, पश्चिम भानुप्रतापपुर, दक्षिण कोण्डागांव, कांकेर, नारायणपुर, केशकाल) एवं सरगुजा संभाग के अंतर्गत आने वाले वनमण्डल या कार्यालय (कोरिया, मनेन्द्रगढ़, जशपुर, सूरजपुर, हाथी रिजर्व तमोर पिंगला अभ्यारण्य सूरजपुर, हार्थी रिजर्व सेमरसोत अभ्यारण्य बलरामपुर, हाथी रिजर्व बादलखोल जशपुर, गुरू घासीदास राष्ट्रीय उद्यान बैकुंठपुर) तथा कोरबा जिला के अंतर्गत आने वाले कटघोरा एवं कोरबा वनमंडल के लिए (वनरक्षक के पूर्व में प्रकाशित विज्ञापन) 140 पदों की एतद द्वारा निरस्त किया जाता है। उक्त पदो के लिये आवेदित शुल्क वापसी योग्य है। उपरोक्त पदों पर भर्ती हेतु वर्गवार विज्ञापन पुनः पृथक से से प्रकाशित किया जायेगा। उल्लेखनीय है कि पांचवी अनुसूची अंतर्गत बस्तर-सरगुजा संभाग सहित कोरबा जिला भी शामिल है।

भीषण गर्मी और ट्रेनों की लेटलतीफी ने यात्रियों को किया परेशान

रायपुर (आरएनएस)। नौतपा के बीच रेल यात्रियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा है । इसका सबसे बड़ा कारण राजधानी रायपुर के रेलवे स्टेशन में अव्यवस्था है और इसे अव्यवस्था के बीच यात्रियों में ट्रेनों की लेटलतीफी से असमंजस की स्थिति है और साथ ही साथ गर्मी के कारण भारी परेशानी भी।

रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म पर गर्म हवा के थपेड़ों से हजारों यात्री रोज झुलस रहे हैं। शेड में जो पाइप पानी की फुहारों के लिए लगाई है, उसका नोजल खराब होने से फुहारे बंद है।

वहीं प्लेटफार्म तीन और पांच पर लगे पंखे गर्म हवा फेंक रहे हैं। ऐसे हालत में जहां ट्रेन का इंतजार कर रहे यात्री तप रहे है,वहीं ट्रेनों में सफर करने वाले पसीना बहा रहे हैं। हावड़ा-मुंबई और कटनी, बिलासपुर, रायपुर रेल लाइन की ट्रेनें घंटों देरी से चल रही हैं। यह सिलसिला एक दिन का नहीं, बल्कि पिछले कई महीनों से चल रहा है।दर्जनों ट्रेनें आठ से दस घंटे देरी से पहुंच रही है। इससे यात्री गर्म थपेड़ों के बीच रेलवे स्टेशन में अपने गंतव्य तक जाने ट्रेनों का इंतजार करने को विवश है।

उत्तरप्रदेश, बिहार, झारखंड, दिल्ली, मध्यप्रदेश, ओड़िशा, आंध्रप्रदेश, महाराष्ट्र आदि राज्यों आने वाली ट्रेनें आठ से 10 घंटे लेट से रायपुर पहुंच रही है। यात्रियों का सफर 15 से 20 घंटे में पूरा हो रहा है। सुबह की ट्रेनें दोपहर और शाम तक रायपुर स्टेशन पहुंच रही हैं। कई महीनों से आजाद हिंद एक्सप्रेस 12 से 14 घंटे की देरी से आ रही है।

दुर्ग-अंबिकापुर एक्सप्रेस, सारनाथ, शिवनाथ एक्सप्रेस, अमरकंटक, छत्तीसगढ़, ज्ञानेश्वरी एक्सप्रेस, आजाद हिंद, अहमदाबाद एक्सप्रेस, मुंबई मेल, बिलासपुर-इतवारी एक्सप्रेस, कविगुरु एक्सप्रेस, नौतनवा एक्सप्रेस, बरौनी एक्सप्रेस और डाउन आजाद हिंद,पुरी आदि ट्रेने रोज लेट से आ जा रही है।

SJU - Contact No. +91 9301915303 E-mail ID- sjunion29@gmail.com

Social Justice Union

Registered with Govt. No. 5526

Join SJU

अधिकार से न्याय तक

आवश्यकता

इस संघ का गठनसम्पूर्ण छत्तीसगढ़ में पीड़ितो को न्याय दिलाने के लिए किया गया है, जिसे छत्तीसगढ़ शासन से मान्यता प्राप्त है, जिसका क्रमांक 5526 है, तथा सम्पर्क हेतु नं0 9301915303 है। इस संघ के गठन पर संघ के संरक्षक एवं लीगल एडवाईज़र श्री तथागत श्रीवास्तव (अधिवक्ता, माननीय उच्च-न्यायालय), एवं गवर्निंग बोर्ड के सदस्यों कु0 सी.बी.वर्मा, श्रीमती ऐकता श्रीवास्तव, श्रीमती रजनी ठाकुन्दे एवं अन्य ने शासन को धन्यवाद ज्ञापित किया, और कहा कि संघ के पास सामाजिक अन्याय अथवा मानवाधिकार हनन सम्बंधी तथ्य के प्रस्तुत होने पर, उसे लिखित में शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन एवं सक्षम व्यक्तियों के समक्ष संघ की ओर से प्रस्तुत किया जावेगा। साथ ही, विधि, न्याय सम्बंधी कार्य हाथ में लेकर बेसहारा, गरीब, परित्यक्ता, विधवाओं के उत्थान के लिए कार्य किया जावेगा।

उद्देश्य एवं नियुक्तियां

मुख्य रूप से संघ का उद्देश्य छत्तीसगढ़ प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर में सामाजिक न्याय हेतु प्रचार-प्रसार करना, तथा मानवाधिकार हेतु जागरूकता पैदा करना है। संघ साक्षरता एवं अनौपचारिक शिक्षा के माध्यम से मानवाधिकार के सम्बंध में प्रचार प्रसार करना चाहता है। इस हेतु प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर पर सामाजिक न्याय एवं मानवाधिकार संरक्षण केन्द्र की स्थापना की जावेगी, और उनमें संघ के द्वारा आधिकारिक नियुक्तियाँ की जावेगी। प्रत्येक व्यक्ति इस संघ में सदस्य बन सकता है, जिसके लिए संघ के द्वारा निर्धारित नियम एवं शर्तों का पालन किया जाना अनिवार्य है। इस हेतु सदस्यता फार्म संघ के प्रधान कार्यालय में उपलब्ध है।

मुख्य बिन्दु

प्रताड़ित एवं पीड़ित व्यक्ति की समस्याओं को सुनना, आवेदन लेना तथा पीड़ित को न्याय दिलाने के लिए उचित साधन एवं संसाधनों की जरूरत के अनुसार व्यवस्था करना मूल रूप से इस संघ का कार्य है। पीड़ित व्यक्तियों को न्यायिक, गैर-न्यायिक एवं सामाजिक समस्या पर विधिनुसार एवं संविधान के अनुसार आवश्यक मदद की जावेगी।

पीड़ित संपर्क करें

संघ विशेष रूप से मानवाधिकार दिलाने एवं सामाजिक न्याय प्राप्ति हेतु पीड़ित मानव की हर संभव मदद करेगा तथा इस हेतु पीड़ित मानव के लिए भारतीय संविधान के तहत् विधिक सहायता की व्यवस्था आवश्यकतानुसार करेगा। यदि कोई पीड़ित है तो इस संघ से सम्पर्क कर सकता है।

अन्य बिन्दु

- संघ पर्यावरण संरक्षण एवं पर्यावरण सम्बंधी चेतना हेतु भी जागरूकता लाने का प्रयास करेगा।
- पूरे छत्तीसगढ़ प्रदेश में महिलाओं के अधिकार, श्रमिकों के अधिकार, आदिवासियों के अधिकार, अनुसूचित जाति-जनजातियों के अधिकारों के सम्बंध में विधिक एवं संवैधानिक रीति के कार्यक्रमों को इस संघ द्वारा संचालित किया जावेगा तथा प्रत्येक पीड़ित को उसके कर्तव्यों एवं अधिकारों के बारे में सचेत किया जावेगा। न्याय प्राप्ति हेतु हर संभव मदद की जावेगी।
- संघ शासन से मान्यता प्राप्त है, अतः शासन एवं प्रशासन में विभिन्न पदों पर आसीन् तक पीड़ित की परेशानी को आसानी से पहुँचाया जा सकता है। इस हेतु संघ शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन व्यक्तियों से मुलाकात कर पीड़ित को न्याय दिलाने में समस्त सहायता भी करेगा।
- संघ द्वारा संवैधानिक शिक्षा एवं सामाजिक विकास से सम्बंधित रिसर्च कार्यक्रम किए जावेंगे, एवं समान उद्देश्यों वाली अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय, सरकारी तथा गैरसरकारी संस्थाओं के साथ मिलकर काम किया जावेगा।
- संघ सामाजिक कुरीतियों को दूर करने के लिए कार्यशाला का आयोजन भी करेगा। संघ देश के मूर्धन्य विभूतियों के सम्मान में कार्यक्रम भी आयोजित करायेगा।

पढ़िए .... न्यायसाक्षी समाचार-पत्र

:: Address ::
Behind Stadium
Near Career
School, Raigarh,
C.G.
Pin 496001

www.nyaysakshi.com

सभी से अपील की गई है कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में संघ से जुड़कर साथ का साथ दिया जावे ताकि प्रत्येक पीड़ित मानव को न्याय मिल सके एवं एक अच्छे समाज का निर्माण हो सके।

Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU

डबरी से बदल गई जगमोहन की दुनिया, छोटी सी डबरी से हर साल कमा रहे एक लाख

- डबरी विकास करने से मछलीपालन आरंभ किया, साथ ही सब्जी भाजी भी उगा रहे

रायपुर (आरएनएस)। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा ग्रामीण विकास के लिए ग्रामीणों को छोटी-छोटी अधोसंरचनाएं उपलब्ध कराने के निर्देश से जमीनी स्तर पर बड़ा बदलाव नजर आ रहा है। लोग न केवल खेती के साथ नये प्रयोग कर रहे हैं, अपितु कई तरह से आजीविकामूलक गतिविधि कर रहे हैं। एक छोटा सा उदाहरण जगमोहन का लें। जगमोहन मनेंद्रगढ़ जिले के खडग़वां के निवासी हैं। जिला प्रशासन के अधिकारियों ने उनसे संपर्क किया और ऐसी गतिविधि आरंभ करने के लिए कहा, जिससे आय बढ़ सके। उन्हें सुझाया गया कि वे डबरी बना सकते हैं। मत्स्यपालन में काफी लाभ है और बाड़ी के लिए भी सहयोग मिलेगा।

प्रशासन द्वारा डबरी निर्माण के लिए 1 लाख 96 हजार रुपए स्वीकृत हुआ। मनरेगा के माध्यम से उन्होंने, गांव के दूसरे लोगों ने और उनके परिवारजनों ने बड़ी मेहनत की। मनरेगा की मजदूरी भी उन्हें प्राप्त हुई। फिर डबरी तैयार हुई। मत्स्यपालन विभाग के अधिकारी आये और मछलीपालन के लिए जरूरी सुझाव दिये। अधिकारियों ने बताया कि अच्छी तरह से मछलीपालन की तकनीक पर काम करें तो इसके माध्यम से अच्छी आय हासिल हो सकती है।

जगमोहन ने कड़ी मेहनत की। इस साल उन्होंने लगभग 80 हजार रुपए कमा लिये। डबरी में पानी स्टोर हुआ तो बगल में बाड़ी लगा ली। इससे पहले बाड़ी वीरान थी क्योंकि पानी नहीं था। पानी की अच्छी सुविधा हो गई तो हार्टिकल्चर विभाग के अधिकारियों ने जमीन की प्रकृति के अनुसार सब्जी-भाजी सुझाई। बाड़ी में अच्छी सब्जी भाजी हुई और इस साल उन्होंने 30 हजार रुपए कमाए हैं।

जगमोहन बताते हैं कि इससे उनकी आर्थिक तरक्की की राह खुल गई है। साल का एक लाख रुपए केवल एक डबरी से आ रहा है। इससे पहले बाड़ी के महत्व से परिचित नहीं थे। मुख्यमंत्री द्वारा इस पर जोर दिया गया, अधिकारियों ने लगातार संपर्क किया और हमें प्रेरित किया। इसका सुंदर परिणाम हुआ है और हम सब बहुत खुश हैं। हमारे परिवार के लिए अतिरिक्त बचत हो रही है। सरकार की योजनाओं के चलते बिना कुछ निवेश किये हर साल एक अच्छी खासी आय का जरिया हमें उपलब्ध हो गया है।